कोविद्-19 का दौर

डॉ. विनय प्रताप सिंह
प्रिया सिंह

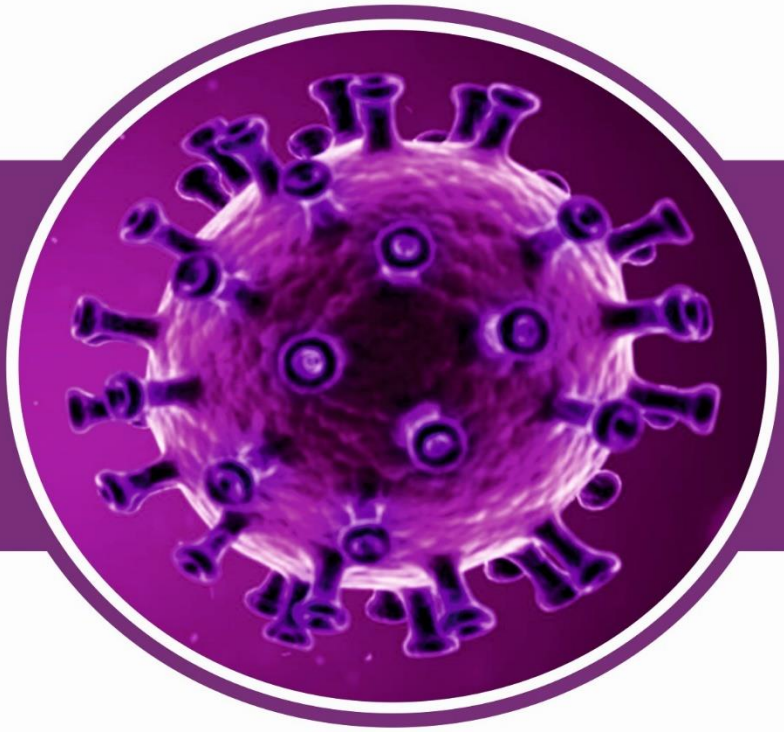

Kripa Drishti Publications, Pune.

कोविद्–19 का दौर

संपादक

डॉ. विनय प्रताप सिंह

सहा. प्राध्यापक, (विभागाध्यक्ष–शिक्षा विभाग),
श्याम शिक्षा महाविद्यालय, सक्ती (छ.ग.).

Kripa-Drishti Publications, Pune.

पुस्तकाचे शीर्षक: कोविद्–19 का दौर

संपादित: डॉ. विनय प्रताप सिंह

Price: ₹500

ISBN: **978-93-48091-15-4**

9 789348 091154

Published: **Oct 2024**

Publisher:

Kripa-Drishti Publications

A/ 503, Poorva Height, SNO 148/1A/1/1A,
Sus Road, Pashan- 411021, Pune, Maharashtra, India.
Mob: +91-8007068686
Email: editor@kdpublications.in
Web: https://www.kdpublications.in

©**Copyright डॉ. विनय प्रताप सिंह**

All Rights Reserved. No part of this publication can be stored in any retrieval system or reproduced in any form or by any means without the prior written permission of the publisher. Any person who does any unauthorized act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages. [The responsibility for the facts stated, conclusions reached, etc., is entirely that of the author. The publisher is not responsible for them, whatsoever.]

संपादकीय

कोविड–19 (COVID–19) एक वैश्विक महामारी है, जिसकी शुरुआत दिसंबर 2019 में चीन के वुहान शहर से हुई थी। यह एक नए प्रकार के कोरोनावायरस (SARS-CoV–2) के कारण फैली, जो पहले कभी मानवों में नहीं पाया गया था। यह वायरस तेजी से फैलने वाला और अत्यधिक संक्रामक है, जो मुख्यतः श्वसन प्रणाली को प्रभावित करता है। मार्च 2020 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने इसे वैश्विक महामारी (पैंडेमिक) घोषित किया। इसके बाद पूरी दुनिया में स्वास्थ्य आपातकाल की स्थिति उत्पन्न हो गई। विभिन्न देशों ने वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लॉकडाउन, सामाजिक दूरी, और मास्क पहनने जैसी कई उपायों को लागू किया। इस दौर में स्वास्थ्य सेवाओं पर अत्यधिक दबाव पड़ा, अस्पतालों में जगह की कमी हुई, और लाखों लोगों की जान गई। साथ ही, इसने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी गंभीर असर डाला, जिससे बेरोजगारी, व्यापार में गिरावट, और गरीबी में वृद्धि देखने को मिली। वैक्सीन के विकास और वितरण से स्थिति में कुछ सुधार आया, लेकिन कोविड–19 का दौर जीवन के लगभगसभी क्षेत्रों में बदलावलाने वाला साबितहुआ, जिससे सामाजिक, आर्थिक, और व्यक्तिगत जीवन के ढांचे पर स्थायी प्रभाव पड़ा।

इस महामारी ने विश्व स्तर पर कईमहत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दों को उजागर किया, जो जीवन के लगभगहर क्षेत्र को प्रभावित करते हैं। इन मुद्दों ने सरकारों, समाजों और व्यक्तियों को अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना करने के लिए मजबूर किया। कोविड–19 के दौर ने वैश्विक स्वास्थ्य, आर्थिक, और सामाजिक तंत्रों की कमजोरियों को उजागर किया। यह समय कई नए मुद्दों के साथ–साथ पुराने मुद्दों को भी पुनर्स्थापित हुआा। महामारी ने दुनिया को भविष्य के लिए अधिक तैयार रहने और स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, और आर्थिक स्थिरता में सुधार की आवश्यकता का एहसास कराया। जिसमें कुछ प्रमुख मुद्दों के रुप में स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव, लॉकडाउन और सामाजिक दूरी, आर्थिक मंदी और बेरोजगारी, शिक्षा पर प्रभाव, मानसिक स्वास्थ्य, टीकाकरण और उसकी चुनौतियां, झूठी सूचनाओं और अफवाहों का प्रसार, वैश्विक सहयोग और राजनीति इत्यादि मुद्दे सामने आए।

आँकड़ों और तथ्यों के रुप में देखा जाय तो कोविड–19 के दौर में महामारी की गंभीरता, इसके प्रसार और इसके प्रभावको समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिसमें महामारी की शुरुआत और प्रसार दिसंबर 2019 में चीन के वुहान शहर में सामने आया और 2021 के अंततक, लगभग सभी देशों में कोविड–19 के मामले दर्ज किए गए। साथ–साथ संक्रमण और मृत्युदर के आँकड वैश्विक स्तर पर लगभग 5 मिलियन से अधिक लोगों की मौत तथा स्वास्थ्य सेवाओं पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा।

यह दौर ने मानव जाति को एक गंभीर परीक्षा के दौर से गुजारा, जिसमें हमारे स्वास्थ्य ढांचे, सरकारों की नीतियाँ, और वैश्विक एकजुटता की कमजोरियाँ सामने आईं। यह संकट हमें यह सिखाता है कि हमें भविष्य की स्वास्थ्य आपदाओं से बेहतर तरीके से निपटने के लिए तैयार रहना होगा, और इसके लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक सुरक्षा, और वैज्ञानिक नवाचार में दीर्घकालिक निवेश आवश्यक है।

वैश्विक स्तर पर मानव जीवन, स्वास्थ्य प्रणालियों, और अर्थव्यवस्थाओं को गंभीर रूप से प्रभावित किया। इस संकट ने हमें यह सिखाया कि आपातकालीन स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए हमें पहले से अधिक तैयार रहने की आवश्यकता है। महामारी ने न केवल स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे की कमजोरियों को उजागर किया, बल्कि आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा तंत्र की अपर्याप्तता को भी सामने रखा।

इस संकट से उबरने और भविष्य में ऐसी आपदाओं से बचने के लिए हम सभी को स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता है जिससे आर्थिक स्थिति के सुधार के साथ सरल जीवन–यापन उपायों को लागू करने, वैज्ञानिक नवाचार को बढ़ावा देने, और वैश्विक सहयोग को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही डिजिटल शिक्षा पर जोर, मानसिक स्वास्थ्य समर्थन और पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। जिससे हमारा जीवन अच्छे से चल सके साथ ही समाधानों और सुझावों का उद्देश्य न केवल महामारी के वर्तमान प्रभावों को कम करना है, बल्कि भविष्य की चुनौतियों से भी बेहतर तरीके से निपटने के लिए एक मजबूत आधार तैयार करना है। इस पुस्कत के माध्यम से कोविड़–19 के दौरान समूचे विश्व में हुए अमूलचूक क्षति एवं परिवर्तन को समझने का एक सार्थक प्रयास किया गया है। परमपिता परमेश्वर, गुरूजनो एवं माता–पिता के अर्शिवाद से हम आशा करते है कि यह पुस्तक समस्त छात्रों एवं पाठको के लिए उपयोगी साबित होगी।

डॉ0 विनय प्रताप सिंह
सहा. प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष–शिक्षा विभाग)
श्याम शिक्षा महाविद्यालय सक्ती
जिला – सक्ती (छ0ग0)

प्रिया सिंह
शोधार्थी,
कलिंगा वि.वि.रायपुर (छ0ग0)

अनुक्रमणिका

1. कोविद्–19 का दौर – *डॉ. विनय प्रताप सिंह,* ***प्रिया सिंह*****..... 1**

2. कोविड–19 का उद्योगों पर प्रभाव नए आयाम – *निर्मल कुमार***..... 7**

3. कोविड–19 का कर्मचारियों के कार्य क्षमता पर प्रभाव – *रविना राठौर***.....13**

4. कोविड–19 का शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव – *संगीता अजगल्ले***.....27**

5. कोविड–19 का दवा उत्पादक क्षेत्रों पर प्रभाव – *संजय कुमार साहू*.....**34**

6. कोविड–19 का भारतीय विकास पर प्रभाव अवसर – *स्मृति देशमुख*.....**41**

7. कोविड–19 का छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव – *श्रीमति मीना साहू*.....**47**

8. कोविड–19 का तकनीकी पर प्रभाव और नवीन अवसर – *श्रीमती वाणी मसीह*.....**58**

9. Covid-19 का चिकित्सा क्षेत्रों पर प्रभाव और नए आयाम – *वंदना यादव*.....**70**

10. Covid-19 का शिक्षकों पर प्रभाव ओर नवाचार - *डॉ. जया शर्मा, प्रो. राजेश पवार, डॉ. शांति शर्मा*.....**75**

11. कोविड-19 का स्वास्थ्य पर प्रभाव - *डॉ. शांति शर्मा, डॉ. जया शर्मा, डॉ. सतीश कुमार*.....**84**

12. कोविड–19 का छत्तीसगढ़ राज्य पर प्रभाव और नए आयाम – *डॉ. रेखा तिवारी*.....**90**

13. Covid -19 मीडिया का प्रभाव और नए आयाम प्रभाव - *डॉ. सुषमा पाण्डेय* **...97**

14. कोविड–19 का शिक्षा पर प्रभाव और नवीन आयाम – *डॉ. सूर्य देव यादव*.....**108**

ABOUT THE EDITOR

डॉ. विनय प्रताप सिंह वर्तमान समय में विभागाध्यक्ष (शिक्षा संकाय) श्याम शिक्षा महाविद्यालय, सक्ती (छत्तीसगढ़) में कार्यरत् है। इस पुस्तक के पूर्व अपने चार पुस्तको HUMAN GROWTH AND DEVLOPMENT व RESEARCH METGODOLOGY, CONCEPT AND CASES, कोविद्–19 आपदा या अवसर, नाबालिक बच्चों में बढता अपराध प्रकाशित की है। आपने कलिंगा विश्वविद्यालय, नया रायपुर से पीएचडी की उपाधि पूर्ण की है। आपने रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, (छत्तीसगढ़) से बी.एड., एम.एड. व एम.ए. (मनोविज्ञान) का अध्ययन किया है तथा दीनदयाल विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उत्तर–प्रदेश) से एम.ए. (हिन्दी) एवं बी.ए. की डिग्री पूर्ण की है। आप 1 वर्ष श्री रावतपुरा इस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, पचेड़ा नया रायपुर, 2 वर्ष श्रीराम कालेज, सारागॉव रायपुर तथा 9 वर्षो से श्याम शिक्षा महाविद्यालय, सक्ती (छत्तीसगढ़) में कार्यरत् है। आपको सन् 2021 में ग्लोबल थ्रम्फ फाउण्डेशन की ओर से ''ग्रामीण शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान'' के लिए अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया और सन् 2022 में रिसर्च एजुकेशन शाल्यूशन की ओर से ''श्रेष्ठ विभागाध्यक्ष'' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आपके द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में कुल 16 शोध–पत्र प्रकाशित किया जा चुका है। इसके अलावा आपकी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 90 सेमीनार, 10 कार्यशाला, 05 फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, 95 बेबीनार, 10 सम्मेलनो में शोध–पत्र प्रस्तुतीकरण एवं सक्रिय सहभागिता रही है। शिक्षा के विकास व शोध–कार्यो में आपकी सक्रिय सहभागिता रही है। कोविड़–19 के दौरान आपने शिक्षा के साथ–साथ विभिन्न क्षेत्रों के बदलते परिदृश्य व उतर–चढ़ाव का अध्ययन किया जिसके परिणामस्वरूप आपने कोविद्–19 आपदा या अवसर विषय–वस्तु पर पुस्तक लेखन प्रारम्भ किया जो सभी पाठको के लिए उपलब्ध है। आशा करते है कि यह पुस्तक आपके लिए उपयोगी व कारगर साबित होगी।

प्रिया सिंह वर्तमान में कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) से गणित विषय में पीएचडी कर रही हैं। इस पुस्तक से पूर्व दो पुस्तकों में संपादन कार्य एवं दो पुस्तकों में अध्याय लेखन का कार्य किया है। आपको एम.एड. पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान आने पर शहीद नन्दकुमार पटेल वि.वि. रायगढ़ (छ. ग.) द्धारा गोल्ड मेड़ल प्राप्त है। आपके द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में कुल 02 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं, तथा एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम एवं रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स कार्यक्रम में भाग लिया है। इसके अलावा आपने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 11 सेमिनार, 1 कार्यशाला, 1 फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, 15 वेबिनार आदि में सक्रिय रूप से सहभागी होकर शोध पत्रों का वाचन किया है। शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता को देखते हुए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन संगोष्ठियों और कॉन्फ्रेंस में समय–समय पर सम्मिलित होकर अपने विचारों को व्यक्त किया है। शिक्षा के विकास व शोध–कार्यो में आपकी सक्रिय सहभागिता रही है।

KRIPA DRISHTI PUBLICATIONS

Price: ₹500

Kripa-Drishti Publications
A-503 Poorva Heights, Pashan-Sus Road, Near Sai Chowk,
Pune – 411021, Maharashtra, India.
Mob: +91 8007068686
Email: editor@kdpublications.in
Web: https://www.kdpublications.in

ISBN: 978-93-48091-15-4

9 789348 091154